

appeal to my hon. friends is that, though their names are there and I cannot skip over them; it is not compulsory that they should put supplementary questions. Of course, I would call them, but it is not compulsory that they should put questions, if they have got the information already. I will first call the first three or four members. My appeal to the members is that they need not stand up to put supplementary questions because their names are there.

Mr. Prakash Vir Shastri.

Indians in Aden

+

- SNQ 30. Shri Prakash Vir Shastri:
 Shri Y. S. Kushwah :
 Shri Mahant Digvijai Nath:
 Shri Raghuvir Singh Shastri:
 Shri Shiv Kumar Shastri:
 Shri Hukam Chand Kachwal:
 Shri Ram Avtar Sharma:
 Shri K. P. Singh Deo:
 Shri S. S. Kothari:
 Shri D. C. Sharma:
 Shri Indrajit Gupta:
 Shri Vasudevan Nair:
 Shri R. Barua:
 Shri Hem Barua:
 Shri Jagannath Rao Joshi:
 Shri A. B. Vajpayee:
 Shri Kanwar Lal Gupta:
 Shri Beni Shanker Sharma:
 Shri Marandi:
 Shri Swell:
 Shri Balraj Madhok:
 Shri R. S. Vidyarthi:
 Shri Sradhakar Supakar:

Will the Minister of External Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that about a thousand Indian nationals stranded at Aden are desirous of coming to India immediately;

(b) whether it is also a fact that no arrangements could be made so far to bring them to India; and

(c) the time by which arrangements to evacuate them from that place would be completed?

The Deputy Minister in the Ministry of External Affairs (Shri Surendra Pal Singh): (a) Because of the recent disturbances in Aden, about 500 Indians, mostly women and children, left on the 7th July by Moghul Line ship 'Mozaffari' for Bombay.

(b) and (c). No, Sir. There has been no occasion for Government to think of general evacuation of Indians from Aden. Those who desired to leave Aden because of the disturbed conditions there have experienced no difficulty in doing so by normal means of transport available to them.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैं यह जानना चाहता हूँ कि अदन में कुल मिला कर कितने भारतीय रह रहे हैं। अभी माननीय मंत्री महोदय ने बतलाया कि 500 भारतीय बम्बई के लिये रवाना हो चुके हैं। जो भारतीय अदन में रह रहे हैं क्या उन में से भी कुछ ने भारत आने की इच्छा व्यक्त की है और क्या चूँकि सरकार उन को पूरी सुविधा उपलब्ध नहीं करा सकी है इसलिये वह अभी तक नहीं आ पाये हैं। क्यों उन को इतनी शीघ्रता में वहाँ से आने की आवश्यकता हुई ?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : जो भारतीय नागरिक वहाँ रह रहे हैं उन्होंने सिर्फ अपने बीबी बच्चों को भेजा है क्योंकि वहाँ स्थिति खराब चल रही है। वहाँ आपस में झगडा चल रहा है। खास कर मिडल ईस्ट में जो क्राइसिस हुई है उस की वजह से उन्होंने महसूस किया कि बीबी बच्चों और प्रारतों को सुरक्षा के लिहाज से भेज दिया जाये। उन्होंने खुद आने की इवाहिषा जाहिर नहीं की है।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मेरा प्रश्न दूसरा है। मेरा प्रश्न यह है कि जिन्होंने

अपने बीबी बच्चों को भेजा है और स्वयम् किसी कारणवश रह रहे हैं कि शायद भागे चल कर स्थिति सम्भल जाये, उन को इस प्रकार की क्या आवश्यकता हुई कि अपने परिवारों को यहां भेजना पड़ा ? क्या उनको किसी प्रकार से सताया जा रहा है या सम्पत्ति छीनी जा रही है, या कोई और शारीरिक कठिनाई आ रही है ?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : उन के साथ किसी किस्म की कठिनाई नहीं है और न उन के खिलाफ कोई कार्रवाई की जा रही है। बल्कि उन के जो ताल्लुकात हैं वह वहां के लोगों के साथ बहुत अच्छे चल रहे हैं। सिर्फ जो वहां की मौजूदा स्थिति है, यानी जो वहां पर आपस में झगड़ा चल रहा है, उस से उन भारतीयों के बाल बच्चों को परेशानी होती थी और इसलिये उन को उन्होंने भेजा है। खयाल यह है कि जिस वक्त स्थिति ठीक हो जायेगी, वह अपने बीबी बच्चों को फिर वहां बुला लेंगे।

श्री प्रकाशबीर शास्त्री : जो क्राइसिस पैदा हुई क्या उस के कारण ही यह स्थिति बनी कि उन को अपने बीबी बच्चों को भेजना पड़ा ? पश्चिमी एशिया में क्राइसिस पैदा हुई क्या उसी के विरुद्ध वह लोग उन को सुरक्षित करना चाहते हैं ?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : उन के खिलाफ किसी किस्म की कार्रवाई नहीं हुई है। अरब लोगों में आपस में झगड़े हैं और हो सकता है कि इस से भारतीय परिवारों को कोई नुकसान पहुंचे। मैं अर्ज करूँ कि जो डिस्टर्बेंसेज हुए हैं उन में ऐसे कई वाक्य हुए हैं जिन में ज्यूज की प्रापर्टी की लूट हुई। इससे उनके साथ साथ जो इंडियन प्रापर्टी थी उस को भी नुकसान पहुंच गया, लेकिन इरावतन कोई नुकसान उन को नहीं पहुंचाया

गया। इस स्थिति को देखते हुए उन्होंने यह महसूस किया कि अच्छा होगा अगर वह अपने परिवारों को, अपने बीबी बच्चों को भारत भेज दें जब तक हालत ठीक न हो जाये।

श्री कामेश्वर सिंह : इस सदन में कोई व्यवस्था नहीं है। कोई भी मंत्री हो वह बात को छिपाता है, किसी बात को सदन में रखना नहीं चाहता है। वहां पर औरतों को सताया जा रहा है अरबों के द्वारा। इस को मंत्री महोदय सामने क्यों नहीं आने देते। आप इस के लिये उन से कहें। अगर जवाब नहीं आयेगा तो सदन में हंगामा तो होगा ही।

Mr. Speaker: What is the point of order there? He may sit down.

श्री कंवरलाल गुप्त : मेरा व्यवस्था का सवाल है। मंत्री महोदय ने कहा कि वहां भारतीयों के साथ वहां के लोगों के ताल्लुकात अच्छे हैं, उन्हें सताया नहीं जा रहा है, उन की प्रापर्टी को कोई नुकसान नहीं हो रहा है। लेकिन जब वह अपने बीबी बच्चों को यहां भेज रहे हैं तो आखिर कोई न कोई डर तो उन्हें होगा। नहीं तो क्यों भेजते। मेरा कहना यह है कि आप मंत्री महोदय से कहें कि वह स्पष्ट जवाब दें।

Mr. Speaker: What is the point of order. There is no point of order.

Shri Surendra Pal Singh: May I answer this? . . .

Mr. Speaker: No. Ministers cannot have the privilege of getting up at any time and then answering any questions that they like.

श्री प्रकाशबीर शास्त्री : जसा अभी मंत्री महोदय ने बतलाया कि ज्यूज के घरों और सम्पत्ति को जलाया गया। उनकी बगल में जो भारतीय बसे हुए थे उन को भी

इससे कुछ हानि हुई। मैं समझता हूँ कि मंत्री महोदय जो कुछ भारतीयों के साथ वहाँ हुआ है उसको छिपाना चाहते हैं। अगर कुछ विशेष बात न होती तो वे लोग सामूहिक रूप से अपने परिवार वालों को भोजने के लिए बाध्य न होते। एक दो व्यक्ति ही भोजते। उन को इतनी बड़ी संख्या में भोजने की आवश्यकता न पड़ती। परन्तु फिर भी जब आप सत्य को छिपाना चाहते हैं तो कम से कम इतना तो स्पष्ट रूप से बतलाइये कि जिन यहूदियों के पास भारतीय बसे हुए थे जब उनके घर जलाये गये और उनकी सम्पत्ति का नुकसान हुआ तो उनके साथ भारतीयों की सम्पत्ति का जो नुकसान हुआ वह कितनी है? क्या कुछ इसके आंकड़े भी आप के पास हैं?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : पहले तो मैं यह अज्ञ करना चाहता हूँ कि किसी किस्म की बात को छिपाया नहीं जा रहा है। माननीय सदस्य के दिमाग में यह बात पैदा हो रही है कि वहाँ के भारतीयों को सताया जा रहा है और वह यहाँ पर बतलाया नहीं जा रहा है। जहाँ तक भारतीयों की सम्पत्ति का सवाल है किसी किस्म का आगनाइज्ड मूवमेंट उन के खिलाफ नहीं है।

Shri M. L. Sondhi : He can help them to organise it also.

Mr. Speaker: The hon. Member may not accept the information given by the Minister as correct, but when he is giving the information one has to listen to him whether one likes it or not.

श्री श्रीकार लाल बेरबा : यह झूठ है।

Mr. Speaker : I have repeatedly asked hon Members not to use that word, but he is using that word again. That is not proper.

श्री कंबर लाल गुप्त : गलत है।

Mr. Speaker: The same meaning can be conveyed in a thousand ways.

श्री यशवन्तसिंह कुशाबाह : क्या मंत्री जी यह बतलाने की कृपा करेंगे कि भारत आने की यह मांग कब की गई थी कि उनको भोजने की व्यवस्था की जाये? कितने लोगों की मांग थी? और कितने लोगों की मांग पूरी कर दी गई है? और कितने लोगों की मांग अभी तक पूरी नहीं की गई है?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : वहाँ की जो इंडियन पापुलेशन है उस के लोगों ने कहा कि हम अपने बीवी बच्चों को भोजना चाहते हैं। हमारी तरफ से हिदायत चली गई अपने कमिश्नर के लिये कि जिस किस्म की सहाय्यत वह चाहते हैं वह हम देने के लिये तैयार हैं। अगर उनको यातायात आदि की कोई दिक्कत होती है तो उसका इन्तजाम हम करेंगे। लेकिन उनको कोई तकलीफ नहीं है ऐसा विश्वास दिलाया गया है और जितने लोग अपने बीवी बच्चे भोजना चाहते थे उन्होंने उनको भेज दिया है। उन को जहाज में पैसेज मिल गया। इसके बाद भी अगर वह किसी किस्म की इमदाद चाहेंगे तो हमारी तरफ से उन को इमदाद मिलेगी। इस में कोई रुकावट नहीं है।

श्री यशवन्तसिंह कुशाबाह : यह नहीं बतलाया गया कि यह मांग कब की गई थी और कब स्वीकार की गई?

श्री महन्त विश्वजयनाथ : क्या यह सरकार की जिम्मेदारी नहीं है कि जो लोग वहाँ पर विषम परिस्थितियों में हैं उन को जल्द से जल्द अपने देश में वापस लाया जाये।

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : यह हिन्दुस्तान की सरकार की जिम्मेदारी जरूर है कि जो हमारे नागरिक हैं, अगर वे किसी परेशानी में हों तो हम उनको सहाय्यत दें और भ्रमन में यही हो रहा है। लेकिन जब तक वह लोग

खुद न भाना चाहें तब तक हम मदद क्या करें। वह लोग शायद ऐसा महसूस करते हैं कि अभी स्थिति ऐसी नहीं है कि वह लोग चले आयें, बीबी बच्चों को किसी डर की वजह से फिलहाल भेज दिया है।

श्री रघुबीर सिंह शास्त्री : मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या उन्होंने भारतीय व्यापारियों के प्रतिनिधि श्री सुरेश मेहता का अखबारों में 3 जुलाई को निकला स्टेटमेंट पढ़ा है जिसमें उन्होंने यह कहा था कि एक हजार आदमी एक सप्ताह के अन्दर जाने वाले हैं और 4 हजार बीजा के इन्तजार में हैं। ग्यारह दिन से ब्रिटिश आफिसर्स क्रेटर पर घेरा डाले हुए हैं और उन्होंने केवल सात ट्रक-लोड सामान लाने की इजाजत दी है। वहां का जो झगड़ा है वह वहां जो राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा है उस का पैदा किया हुआ है और जो 20 पहरेदार थे उनकी बन्दूकें छीन ली गई हैं। मैं जानना चाहता हूँ कि इन सारे फैक्ट्स में कितनी सच्चाई है।

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : ये सब बातें जो माननीय सदस्य ने कही हैं बहुत कुछ सही हैं। झगड़ा वहां चल रहा है (इंटरफ़ॉज) हम सभी को यह मानूँ है। मैंने तीन जुलाई का स्टेटमेंट नहीं पढ़ा है। लेकिन यह सब जानते हैं कि झगड़ा हुआ है और यह झगड़ा बहुत असें से चल रहा है। सवाल सिर्फ यह है कि हमारी जिम्मेदारी तो वहां आती है अगर हमारे नागरिक परेशानी में हों और हम उन्हें यहां आने की सहाय्यते न दे सकें और तब हमारे ऊपर इल्जाम आता है। जो कुछ भी हमारी जिम्मेदारी है उसको हम पूरा कर रहे हैं। जब हमें कहा जाता है कि सहाय्यते आप दें आने की तो क्या सहाय्यते दें? हम तैयार हैं देने को। लेकिन वे अपने साधनों से यहां आ रहे हैं। हमारी इमदाद चाहेंगे तो हम इमदाद के लिए तैयार हैं।

श्री हुकूम चन्द कछवाय : एक महीना पहले के इंडियन एक्सप्रेस में भारत के जो भूत-पूर्व मंत्री वहां थे उन्होंने दो लेख छपवाये थे उनमें उन्होंने लिखा था कि अगर भारत सरकार ध्यान नहीं देगी तो वहां जो भारतीय लोग बसे हुए हैं उनकी बहुत दुर्दशा होगी। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या यह सही है कि वहां पर पाकिस्तानियों की संख्या बहुत ज्यादा बढ़ती जा रही है और भारतीयों की संख्या कम होती जा रही है? क्या यह भी सही है कि इन सारी वारदातों में कम्युनिस्ट गुंडों का हाथ है? क्या इस बात की सरकार खोज करेगी?

Mr. Speaker : Does he want to reply to that?

Shri Surendra Pal Singh : I will try to answer the first part.

मुझे यह सही मालूम नहीं है कि वहां पाकिस्तानी नेशनलज की संख्या बढ़ रही है। लेकिन मैं यह विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि वहां के जो हिन्दुस्तानी नागरिक हैं उन के खिलाफ किसी किस्म की कोई तहरीक नहीं है और न उन्हें कोई परेशानी है। जब झगड़ा हुआ करता है इस किस्म का तो थोड़ा बहुत नुकसान तो हो ही जाता है। लेकिन किसी किस्म के टारगेट नहीं हैं।

श्री हुकूम चन्द कछवाय : भूतपूर्व मंत्री के जो लेख हैं उन की तरफ ध्यान गया है? जो दो लेख छपे हैं उनकी ओर ध्यान गया है, इसका जवाब नहीं आया है।

Shri K. P. Singh Deo : In view of the fact that the Indian community has played an important part in the political and economic life of Aden and that the population of 4,500 Indians is being forced to leave Aden, are the Government of India aware that because of their indifference towards the Indians in Aden, some Chinese elements have been trying to recruit Indians to do espionage work for the Chinese Government? Also, in this context, may I know whether the External Affairs Ministry or the Minister ever tried to

communicate with them or to visit the area and try to redress their grievances

Shri Surendra Pal Singh: I agree with the hon. Member that the Indian community in Aden has made considerable contribution for the development of Aden and the area round about. But I do not agree with him when in the same breath he says that the Indian community is being squeezed out or is being forced to leave Aden. That part is incorrect.

As for the other question, regarding Chinese activities there, I have no information.

Shri M. L. Sondhi: This is a very important question. He must tell us something about it. He was heard just mumbling something at the end. He should be courteous. He should not mumble.

Mr. Speaker: Mumbling is also discourteous? Should he shout?

Shri D. C. Sharma: I was in Aden in August 1965. I booked accommodation in an Indian hotel there, when I was told that I should not stay in any Indian hotel but should stay in the Arab quarter because the Indian quarter and Indian hotels were not safe. Luckily I stayed in the Arab quarter, and there was a bomb explosion near that very Indian hotel where I was going to stay.

An hon. Member: Congratulations.

Shri D. C. Sharma: I would very respectfully submit that the situation since then in Aden has been deteriorating day by day. The situation is very bad so far as the Indians are concerned.

An hon. Member: What is the question?

Shri D. C. Sharma: I want to know who is responsible for the safety of Indians there, which Ambassador, whether the British Government or some other Ambassador is responsible for the safety of Indians there, and what efforts will be made so that the Indians can bring back their property from there. I visited two or three factories

and they were in jitters, they thought that their property would be taken away. So, I want to know what is being done for the safety of Indian and their property.

Shri Surendra Pal Singh: The safety of the Indians in Aden is the responsibility of the local administration, but we have our own Commissioner in Aden who looks after their interests also. So, whenever there are difficulties, they can contact him.

As regards the repatriation of their assets etc. to which the hon. member referred, as far as my knowledge goes, there are no restrictions whatsoever placed by the local administration. They can bring anything they like, including their cash assets.

Shri Vasudevan Nair: On several occasions we were told by the representatives of the Government that the Government has advised the Indians who have gone and settled down in many countries of Africa and various other countries to behave in a manner which inspires confidence in the local people, and to try to sympathise with the national aspirations of the local people. I should like to know whether it is not a fact that the recent disturbances were mainly anti-British after the West Asian war, and whether the Government would advise the Indians there to see that they also sympathise with the national liberation aspirations of the local people instead of becoming panicky?

Shri Surendra Pal Singh: This has always been Indian's viewpoint and we have put it across to the Indians there that for their own future happiness and prosperity it is better for them to completely sympathise with the aspirations of the people who are living there, and by and large they are following those instructions. The Indians there have very good relations with the local population. It is true, as the hon. member says, that the recent trouble was due to the action of those elements in the local population who do not see eye to eye with the policies of the British Government in the territory, but in

dians were never a target of any agitation which took place there recently.

Mr. Speaker: Mr. Barua. He is there, but he is talking to somebody. Mr. Hem Barua.

Shri Hem Barua: Is it a fact that the U. K. Government have already evacuated some 2,000 Indians who hold British passports from Aden because of the insecure conditions prevailing there, which shows the depth and dimension of the situation of insecurity in that part of the world. In view of that may I know whether our Government was consulted by the U. K. Government while evacuating those Indians from Aden to their own country, and if our Government was consulted, what was the response of our Government and since this evacuation shows the depth and dimension of the problems there, may I know whether our Government is going to respond to the urgency of the situation immediately?

Shri Surendra Pal Singh: The total number of Indians in Aden who had British passports were nearly 2,000 or a little more than that. It is very difficult to say how many have been evacuated. It is possible some of them may have gone back, but we were never consulted by the British Government to find out if we had any similar plans or similar ideas about that.

Shri Hem Barua: On a point of order. Here are Indians who are evacuated by the British Government to England and yet our Government was not consulted. The Deputy Minister says we were not consulted. How can it happen?

Mr. Speaker: This is a second question in the form of a point of order.

Shri Hem Barua: I sought a clarification.

श्री जगन्नाथ राव जोशी : यह सवाल केवल भ्रदन का नहीं है। पूरे पश्चिमी एशियाई प्रदेशों में भारत के खिलाफ चीन और पाकिस्तान की गति-विधियाँ बढ़ी हैं, जिसके कारण वहाँ एक तनाव और घातक का वातावरण

पैदा हुआ है। मुझे बड़ा ताज्जुब हुआ कि मंत्री महोदय ने कहा कि लोकल पापुलेशन के साथ भारतीयों के बड़े भ्रच्छे ताल्लुकात हैं, लेकिन इसके बावजूद एक हजार लोग वहाँ से भा रहे हैं। जब वे लोग अपने बीबी-बच्चों को वहाँ से भेज रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि वहाँ पर कुछ और ही परिस्थिति पैदा हो गई है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि इन दो महीनों में, वहाँ की स्थिति का पता लगा कर, पूरे पश्चिमी एशियाई प्रदेश में भारतीयों के खिलाफ चीन और पाकिस्तान की गति-विधियों को रोकने की दृष्टि से, वहाँ की सरकारों के साथ भ्रच्छे सम्बन्ध बना कर, भारतीयों के मन में विश्वास पैदा करने के लिये सरकार ने क्या कदम उठाए हैं और वह क्या कदम उठा रही है।

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : इसका जवाब मैं पहले ही दे चुका हूँ। वहाँ पर ऐसी किसी किस्म की स्थिति नहीं है, जिस से परेशानी हो। उन के ताल्लुकात भ्रच्छे हैं और वे रह रहे हैं। अगर वे अपने बीबी-बच्चे भेज देते हैं, तो क्या बात है ?

श्री य० ब० शर्मा : क्या वे गंगा-स्नान के लिये यहाँ भा रहे हैं ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : भ्रदन में बसे हुए भारतीयों का भविष्य वहाँ की जनता के साथ बंधा हुआ है और इस बात के साथ बंधा हुआ है कि भ्रंशेज भ्रदन छोड़ कर कब जाते हैं। क्या भ्रदन की धाजादी के सवाल पर भारत ने कभी भ्रसंदिग्ध शब्दों में घोषणा की है ? क्या भारत सरकार का यह मत है कि भ्रंशेजों को जल्दी से जल्दी भ्रदन छोड़ कर चले जाना चाहिए, जिससे वहाँ की जनता को धापस में लड़ाने का जो साम्राज्यवादियों का खेल है, वह बन्द हो जाये ?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): This is not a matter for our Government to interfere. My hon. friend is aware that there is a federal government in power. The British Government has said that they would give independence within a short time. The trouble is between the federal government and the nationalist organisations, FLOSSY and another national organisation. There has been trouble, subversion and bombing and the British troops had to be rushed to Crater! As far as the Indian population is concerned, they are not affected by these political troubles. They are on the best of terms with the people there. We have given specific instructions to our Commissioner sometime back that if any Indian wants to leave, every facility should be given to him. So far 500 have left. I will point out what instructions we have given already to the collector of customs and to the Chief Secretary of Bombay. When they come every facility should be given to them. We are fully in touch with our Commissioner and we are anxious about the safety of Indians in Aden. There are Indians who do not want to leave. I can understand the Indian saying: I do not want my wife to be here because it is a political trouble between two different groups; he is not involved; but there is internecine quarrel between the constitutional government and the nationalist organisations. We are watching the situation. If the Indians feel that the political situation is going to worsen, they may be evacuated and they will certainly be given all facilities.

श्री जार्ज फरेन्सीस : सरकार ने कस्टम्स को क्या कहा है ?

Shri M. C. Chagla: The collector of customs has been instructed to liberalise the customs clearance in respect of the bona fide personal and household goods, machinery, industrial goods, motor vehicles, etc. With regard to the stock in trade, we are in touch with the State Trading Corporation so that they might be purchased. We have taken every possible step.

श्री कंबरलाल गुप्त : ये जो पांच सौ लोग यहाँ पर आए हैं ये पैनिक की वजह से आए हैं, तीर्थ-यात्रा करने के लिए नहीं आए हैं। क्या वहाँ के भारतीयों ने हमारे कमिश्नर के पास कमी अपनी कठिनाइयाँ लिखकर भेजी हैं; यदि हाँ, तो सरकार ने उस पर क्या कार्यवाही की है? जो भारतीय वहाँ से यहाँ आकर बसना चाहेंगे और अपना कुछ कारोबार करना चाहेंगे, सरकार उन को क्या सुविधायें देना चाहती है ?

Shri M. C. Chagla: No difficulties have been pointed out to our Commissioner. The only difficulty was, when a Jewish building was destroyed, the adjacent Indian buildings were damaged. The Indians had been warned about this by the local population. There was no intention to harm or damage Indian property.

With regard to the second part of the question, as to what we have done, this is what we have done: instructions have been issued to the collector of Customs, Bombay, for making adequate arrangements for the storage of stock-in-trade likely to be brought by the repatriates from Aden, he has also been asked to ensure that customs clearance is quick and smooth and the repatriates are handled with sympathy and understanding and there is constant highlevel supervision; the regional passport officer who is also the protector of immigrants, has been asked to meet the repatriates on arrival and render necessary assistance. The Chief Secretary, Bombay, has been requested to assist the repatriates by arranging for their train travel and temporary accommodation. He has also been requested to depute social volunteers to look after the repatriates. The Railway Board has been asked to give them railway facilities. The STC has been requested to decide immediately in consultation with the Ministry of Commerce in respect of the terms and conditions under which the stock-in-trade could be released to the extent possible. So, every possible step has been taken.

जी चेबीसकर कर्मा : मंत्री महोदय ने बड़े फुल्ल के साथ कहा है कि उन्होंने घबरेल से घाने वाले भारतीयों के लिये सब प्रकार की सुविधाओं प्रदान करने की आज्ञा सम्बद्ध अधिकारियों को दे दी है। मैं उनसे पूछना चाहता हूँ कि क्या उन्होंने हमारे खास मंत्री श्री जगजीवन राम जी से भी सलाह कर ली है कि वह उन घबरेल वाले भारतीयों के लिए राशन और उनके खाने-पीने की क्या व्यवस्था करें।

Mr. Speaker: That is a different matter.

Shri Bal Raj Madhok: Sir, Aden is a very strategic area, looked upon as a key to the Indian Ocean. Now that the British have to leave under compulsion, they are trying that Pakistan should take over the job of safeguarding and protecting their interests, and for that purpose, they have been encouraging Pakistan and the Pakistani elements in Aden, and it is because of that the anti-Indian activities and anti-Indian feelings have been created in that part of the world. And that is the reason why Indians there have become panicky. So, may I know what steps do the Government contemplate in view of the great strategic importance of Aden for us, to prevent a dominant influence of Pakistan being developed there and to see that Indian interests are protected there?

Mr. Speaker: He may not agree with the whole thing, but he may answer the relevant points.

Shri M. C. Chagla: I am not aware of any Pakistani influence in Aden. The only conflicting parties are the British Government, the Federal Government and the two nationalist organisations. The two nationalist organisations are being aided by UAR. Therefore, there is no question of Pakistani influence. The question is, what will be the set-up after the British leave. They want a coalition government. The nationalist organisations said, "We will not work with a federal

Government; you dissolve this, and have a general election." So, there is no question of any penetration by Pakistan in that part of the world.

Shri Bradhakar Supakar: There are three facts: the first is that 900 women and children have been evacuated; the second is that about 3,000 persons are being evacuated to Britain, and the third is, there is a news item that about 4,000 people want to immigrate to India. Now, the Deputy Minister of External Affairs said that no further people are wishing to come. May I know how these things have been reconciled: whether it is not altogether incorrect to say that the rest are not willing to come even on a temporary basis?

Shri Surendra Pal Singh: I have already explained the point quite clearly. It is true that 500 of them are coming to India by ship. As regards how many persons have already been sent to the United Kingdom, with or without passports, I cannot say. But it is a fact that the remaining people there with Indian passports have not shown any desire to come to India. But if they decide to come at a later stage we will certainly give them facilities.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Manufacture of Scooters

- *1147. **Shri S. S. Kothari:**
Shri Yashpal Singh:
Shri S. C. Samanta:
Shri A. Sreedharan:
Shri P. Viswambharan:
Shri Mangalathumadam:
Shri P. C. Adichan:
Shri K. Anirudhan:

Will the Minister of Industrial Development and Company Affairs be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 815 on the 7th April, 1967 and state:

(a) whether it is a fact that the screening of the remaining applications for licences to manufacture scooters has already been done;